Student Feedback regarding Curriculum 2021-22

Depth of subject in the course (पाठ्यक्रम में विषय की गहराई)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
7.40%	27.0%	52.3%	10.7%	2.4%

Students interest and efforts towards the course (पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थीयों की रूचि तथा प्रयास)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
6.9%	32.6%	49.8%	12.8%	2.5%

Process of internal evaluation related to the syllabus (पाठ्यक्रम से संबंधित आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
6.72%	24.6%	53.3%	12.8%	2.5%

Course contribution in personality development (व्यक्तित्व विकास में पाठ्यक्रम का योगदान)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
7.2%	28.6%	47.7%	13.06	3.3%

Available academic / practical material related to the course (पाठ्यक्रम से संबंधित शैक्षणिक/प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
5.8%	26.6%	48%	15%	4.6%

Role of course in employment (पाठ्यक्रम की रोजगार प्राप्ति में भूमिका)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
5.37%	22.38%	48.03%	17.9%	6.24%

Incorporation of modern technology into the curriculum (पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीक का समावेश)				
Excellent (उत्कृष्ट)	Very good (बहुत अच्छा)	Good (अच्छा)	Fair (औसत)	Poor (बुरा)
5.66%	20.70%	52.06%	17%	4.51%

Some Suggestion for improving the curriculum

1. More research oriented work to be included in curriculum.
2. More courses including Experiential learning should be added.
3. Curriculum to be enriched as per basic skills required for employment.
4. Teacher-student ratio should be corrected - teacher's role is very important in educational improvement.

Dr. Mahesh Chandra Gupta

// मूल्यांकन की समीक्षा //

विद्यार्थियों द्वारा दिए गए फीडबैक से यह बात सामने आई है:

1. पाठ्यक्रम में विषय की पाठ्यक्रम गहराई संबंधित आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया को 50.3% विद्यार्थी अच्छा मानते हैं।

2. व्यक्तित्व विकास में पाठ्यक्रम का योगदान, पाठ्यक्रम के प्रति विद्यार्थियों की रुचि, संबंधित शैक्षणिक प्रायोगिक सामग्री की उपलब्धता, पाठ्यक्रमों में आधुनिक तकनीक का समावेश, पाठ्यक्रम की रोजगार प्राप्ति में भूमिका को अधिकांश 49% से 55% विद्यार्थी अच्छा मानते है।

3. विद्यार्थियों के feedback के अनुसार पाठ्यक्रम को और अनुसंधान कौशल एवं रोजगार उन्मुखी बनाया जाना चाहिए।

4. आधुनिक तकनीक जैसे प्रोजेक्टर ऑडियो- वीडियो तकनीकों को अपनाया जाना चाहिए।

समिति सदस्यः

1. प्रो. महेश गुप्ता
2. प्रो. ललिता बर्गे